Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 21-03-2005

Participants : Singh Shri Ganesh

>

Title: Incidents of suicides by farmers and need to take measures to improve implementation of crop Insurance scheme.

श्री गणेश सिंह (सतना) : हमारा देश कृाि प्रधान देश है । हमारी अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार खेती है । कुल आबादी का 75 प्रतिशत आदमी खेती का काम करता है । यह सही है कि किसान को शासन से जो आशा थी वह पूरी नहीं हो पाई है । किसान दिन रात मेहनत में पूरे परिवार के साथ जुटा रहता है । देश में सीमांत किसानों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है । इसके पीछे एक ही कारण है कि जिस तरह से आबादी में वृद्धि हो रही है उसी तरह से किसानों की जमीन घटती जा रही है । मैं कुछ महत्वपूर्ण विाय की ओर सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं कि किसान की जो फसल है, उसे फसल बीमा योजना के लाभ मिलने चाहिए । उसे इन कारणों से लाभ नहीं मिल रहा है क्योंकि उसका जो क्षेत्र निर्धारित है वह तहसील स्तर का है जबकि उसको पटवारी स्तर पर होना चाहिए तथा किसान की जो फसल गंभीर कीटों - इल्ली, गेरुआ, मांहू, उकठा, टिड्डी जैसे भयंकर रोगों से ग्रसित होकर नट हो जाती है । उसे फसल बीमा योजना में शामिल नहीं किया गया है । मेरी मांग है कि उसे फसल बीमा में शामिल किया जाए । मेरी अपील है कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों से बात करके, फसल बीमा का प्रीमियम, जो किसानों से लिया जाता है, यदि दोनों सरकारें मिलकर उसे सब्सिडि के रूप में दें तो निश्चित रूप से किसानों को मदद मिलेगी । इस तरह से किसान कर्ज के बोझ से और लगातार खेती के घाटे में जाने से आत्महत्या कर रहा है, उसमें रोक लगेगी । मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस पर तत्काल कुछ न कुछ कार्रवाई करä [p21]।